

नोएडा एयरपोर्ट की 'उड़ान'

पहली कमर्शियल उड़ान से लखनऊ आए भूमि देने वाले 170 किसान



जेवर में सोमवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने को तैयार इंडिगो की फ्लाइट को वाटर कैनन सैल्यूट दिया गया। एयरपोर्ट के लिए अपनी भूमि देने वाले किसानों के लिए लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें महिला किसानों से मिलते सीएम योगी आदित्यनाथ • एनआइ एवं सूचना विभाग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को औपचारिक रूप से कमर्शियल उड़ानों की शुरुआत हो गई। इंडिगो एयरलाइंस की लखनऊ से आई फ्लाइट 6ई 2278 की लैंडिंग के साथ एयरपोर्ट पर पैसेंजर आपरेशंस शुरू हो गए। इसी विमान ने एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले लगभग 170 किसानों (जिनमें 20 महिलाएं भी शामिल) को लेकर लखनऊ के लिए उड़ान भरी और भारत के एविएशन मानचित्र पर जेवर को स्थापित कर दिया। यह एनसीआर का तीसरा कमर्शियल एयरपोर्ट है, जिससे देश के कुल सक्रिय हवाई अड्डों की संख्या 165 पहुंच गई है। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार संयुक्त तौर पर एनआइए को एनसीआर में उड़्डयन संबंधी औद्योगिक विकास के लिए एक केंद्र के तौर पर स्थापित करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

केंद्रीय नागरिक उड़्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इस अवसर पर कहा, दस वर्ष पहले जो असंभव लगता था, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हकीकत बना दिया

- सोमवार को चार गंतव्यों के लिए उड़ानें शुरू, दिसंबर तक यहां 200 से ज्यादा उड़ानों की सेवा उपलब्ध होने की संभावना
- एनसीआर को मिला तीसरा कमर्शियल एयरपोर्ट, पहले चरण में ढाई दर्जन शहरों को कनेक्टिविटी
- पहले चरण में यह एयरपोर्ट सालाना 1.2 करोड़ पैसेंजर्स को हैंडल कर सकेगा
- पूर्ण विकास के बाद क्षमता सात करोड़ वार्षिक से अधिक होगी, देश के बड़े एयरपोर्ट में होगा शामिल
- इस वर्ष के अंत तक यहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत होगी, जिसके लिए
- दिल्ली दुनिया के उन गिने-चुने शहरों में शामिल हो जाएगा, जहां एक से अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं
- जमीन देने वाले किसानों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले, आपने इतिहास रच दिया
- 28 महिलाओं सहित कुल 170 किसानों को स्मृति चिह्न देकर मुख्यमंत्री ने जताया आभार

गया है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए एयरपोर्ट नेटवर्क को भी एक विकसित देश की तरह विकसित करने के लिए अभी से काम करना होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट सिर्फ एक ट्रांजिट हब के तौर पर स्थापित नहीं होगा, बल्कि एरोट्रोपोलिस (एक

ऐसा शहरी क्षेत्र जिसका पूरा ढांचा, अर्थव्यवस्था और व्यवसाय मुख्य रूप से एक एयरपोर्ट के चारों ओर केंद्रित होते हैं) के तौर पर अपने साथ कई दूसरे उद्योगों को बढ़ावा देना वाला साबित होगा। पहले चरण में यह एयरपोर्ट सालाना 1.2 करोड़ पैसेंजर्स को हैंडल कर सकेगा,

जबकि पूर्ण विकास के बाद क्षमता सात करोड़ सालाना से अधिक हो जाएगी। संबंधित खबर >> 11

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बदलेगा क्षेत्र की तकदीर: योगी >> 11

अपने गांव से ही पहली बार हवाई सफर कर भावुक हुए किसान >> 11

बड़ी कंपनियों के साथ अब 'कुबेर' भी आना चाहते हैं जेवर: योगी

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ: जेवर की धरती से उठी विकास की उड़ान अब वैश्विक संभावनाओं के आसमान को छूने जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए अपनी जमीन देने वाले 170 किसान जब पहली व्यावसायिक उड़ान से लखनऊ पहुंचे तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि जेवर अब सिर्फ एक कस्बा नहीं, बल्कि नए भारत की आर्थिक शक्ति का केंद्र बन चुका है। मुख्यमंत्री ने किसानों को श्रेय देते हुए कहा कि उनके विश्वास और त्याग ने वह इतिहास रचा है, जहां अब दुनिया की बड़ी कंपनियों के साथ-साथ 'कुबेर' भी आना चाहते हैं। मुख्यमंत्री आवास पर जेवर से आए किसानों का स्वागत व सम्मान किया गया। किसानों ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट कर आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट से पहली व्यावसायिक फ्लाइट संचालन के लिए इंडिगो का भी आभार जताया। संबंधित खबर >> 11